VIROCON 2026: वायरस पर राष्ट्रीय सम्मेलन तिरुवनंतपुरम में, ‘वन हेल्थ’ पर जोर

समाचार तिथि: 10 नवंबर 2026



मौलिक प्रतीकात्मक चित्र: pcsmantra.com

स्रोत: PIB, 10 नवंबर 2026 की मलयालम विज्ञप्ति; VIROCON 2026 का सम्मेलन पृष्ठ; WHO: One Health

खबरों में क्यों

वायरस से उत्पन्न खतरों के विरुद्ध राष्ट्रीय तैयारी मजबूत करने के उद्देश्य से वायरस विषयक राष्ट्रीय सम्मेलन VIROCON 2026 का आयोजन 11 से 13 नवंबर 2026 तक तिरुवनंतपुरम में निर्धारित है। PIB ने इसकी जानकारी 10 नवंबर को जारी की। सम्मेलन में एकीकृत 'वन हेल्थ' (One Health) उपागम के महत्व पर चर्चा होगी।

मुख्य बिंदु

- आयोजन में इंडियन वायरोलॉजिकल सोसाइटी (IVS), ICAR-केंद्रीय कंद फसल अनुसंधान संस्थान (ICAR-CTCRI), ICAR-राष्ट्रीय केला अनुसंधान केंद्र, केरल का इंस्टीट्यूट ऑफ एडवांस्ड वायरोलॉजी और इंडियन सोसाइटी फॉर रूट क्रॉप्स जुड़े हैं। PIB ने IVS और ICAR-CTCRI को संयुक्त आयोजक बताया है।
- भागीदारी: 19 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों की 80 संस्थाओं का प्रतिनिधित्व करते हुए लगभग 350 प्रतिभागी - पादप, चिकित्सा, पशु-चिकित्सा और जलीय वायरसविज्ञान क्षेत्रों के वैज्ञानिक, शिक्षक, शोधकर्ता, छात्र और उद्योग प्रतिनिधि।
- विषय-वस्तु (थीम): "बदलती दुनिया में वायरस: पारिस्थितिकी, उद्विकास और भावी तैयारियाँ"।
- कार्यक्रम: 3 वैज्ञानिक व्याख्यान, 7 मुख्य (कीनोट) व्याख्यान, 10 तकनीकी सत्र, युवा वैज्ञानिक पुरस्कार हेतु 14 वैज्ञानिक प्रस्तुतियां, सीमा-पार जैव-सुरक्षा पर विशेषज्ञ पैनल चर्चा और 133 शोध पोस्टर।

- चर्चा के विषय: उभरते और पुनरुत्थित वायरस रोग, वायरस जीनोमिक्स, आणविक निदान तकनीकें, जलवायु परिवर्तन से जुड़ा रोग-प्रसार, कृत्रिम बुद्धिमत्ता (AI) आधारित रोग-निगरानी, टीका विकास और नवीन उपचार; मानव में निपाह, SARS-CoV-2, रेबीज, इन्फ्लूएंजा; फसलों के वायरस रोग; पशुओं के रोग और झींगा पालन में वायरस संक्रमण।
- प्रौद्योगिकी फोकस: CRISPR आधारित निदान, त्वरित परीक्षण प्रणालियां, जीनोमिक निगरानी, RNA इंटरफेरेंस तकनीक और टीका विकास में प्रगति।

मुख्य परीक्षा (Mains) हेतु

प्रश्न: "उभरते वायरस खतरों से निपटने के लिए 'वन हेल्थ' उपागम अपरिहार्य हो गया है।" भारत के संदर्भ में इस कथन की विवेचना कीजिए।

उत्तर की रूपरेखा

भूमिका में: निपाह जैसे जूनोटिक संक्रमण और कोविड-19 जैसी महामारियाँ स्वास्थ्य-तैयारी की सीमाएँ सामने लाती हैं। मानव, पशु, पौधों और पर्यावरण के स्वास्थ्य की अंतर्निर्भरता को मान्यता देने वाला 'वन हेल्थ' उपागम अब वैश्विक स्वास्थ्य सुरक्षा का केंद्र है।

मुख्य भाग में: - जूनोटिक संक्रमण का बढ़ता खतरा: जानवरों और मनुष्यों के बीच संक्रमण का जोखिम अलग-अलग क्षेत्रों की साझा निगरानी जरूरी बनाता है। निपाह इसका उदाहरण है; कोविड-19 ने भी महामारी-तैयारी की आवश्यकता स्पष्ट की। - कृषि-स्वास्थ्य बंधन: फसलों, पशुओं और जलीय कृषि (झींगा पालन) के वायरस रोग खाद्य सुरक्षा और आजीविका दोनों को प्रभावित करते हैं - इसीलिए VIROCON में चारों क्षेत्रों (पादप, चिकित्सा, पशु, जलीय) के विशेषज्ञ एक मंच पर हैं। - तकनीकी तैयारी: जीनोमिक निगरानी, CRISPR आधारित निदान, AI आधारित रोग-निगरानी और त्वरित टीका विकास भविष्य की महामारियों का मुकाबला करने के उपकरण हैं। - चुनौतियां: विभागीय सिलो (स्वास्थ्य, पशुपालन, कृषि, वन विभागों का अलग-अलग काम करना), डेटा साझाकरण की कमी और जिला-स्तरीय प्रयोगशाला क्षमता की सीमा। - संस्थागत आवश्यकता: सीमा-पार जैव-सुरक्षा (ट्रांसबाउंड्री बायोसिक्योरिटी) पर अंतर्राष्ट्रीय सहयोग और अनुसंधान से क्षेत्र-अनुप्रयोग तक की कड़ी मजबूत करना।

निष्कर्ष में: VIROCON 2026 जैसे मंच अनुसंधान, निगरानी और नीति को जोड़ते हैं। 'वन हेल्थ' को केवल अवधारणा न रखकर संस्थागत तंत्र में बदलना ही भारत की जैव-सुरक्षा की दिशा में उपयोगी कदम हो सकता है।

आगे की राह

सम्मेलन में उठने वाले प्रस्तावों - विशेषकर जीनोमिक निगरानी, AI आधारित रोग-निगरानी और टीका विकास - को राष्ट्रीय कार्यक्रमों में कितना स्थान मिलता है, यह देखना होगा। विभागों के बीच समन्वित तंत्र का निर्माण ही असली परीक्षा है।

प्रिलिम्स परीक्षा अभ्यास प्रश्न

VIROCON 2026 सम्मेलन के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

I. यह इंडियन वायरोलॉजिकल सोसाइटी और ICAR-CTCRI का संयुक्त आयोजन है II. इसका आयोजन तिरुवनंतपुरम में निर्धारित है III. यह केवल मानव चिकित्सा से जुड़े वायरसों पर केंद्रित है

उपर्युक्त कथनों में से कौन-से सही हैं?

(a) केवल I और II

(b) केवल II और III

(c) केवल I और III

(d) I, II और III

उत्तर और व्याख्या

उत्तर:(a)

- कथन I सही है: आयोजक इंडियन वायरोलॉजिकल सोसाइटी (नई दिल्ली) और ICAR-केंद्रीय कंद फसल अनुसंधान संस्थान हैं।
- कथन II सही है: सम्मेलन 11-13 नवंबर 2026 को तिरुवनंतपुरम में है।
- कथन III गलत है: इसमें पादप, चिकित्सा, पशु-चिकित्सा और जलीय - चारों क्षेत्रों के वायरस शामिल हैं; 'वन हेल्थ' उपागम ही इसका केंद्र है।

'वन हेल्थ' (One Health) उपागम के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

I. यह मानव, पशु, पौधों और पर्यावरण के स्वास्थ्य की अंतर्निर्भरता को मान्यता देता है II. VIROCON 2026 में इसी उपागम के महत्व पर चर्चा होगी III. यह उपागम केवल टीकाकरण कार्यक्रमों तक सीमित है

उपर्युक्त कथनों में से कौन-से सही हैं?

(a) केवल I

(b) केवल I और II

(c) केवल II और III

(d) I, II और III

उत्तर और व्याख्या

उत्तर:(b)

- कथन I सही है: वन हेल्थ मानव, घरेलू और वन्य पशु, पौधों तथा पर्यावरण के स्वास्थ्य को एकीकृत रूप से देखता है।
- कथन II सही है: PIB रिलीज के अनुसार सम्मेलन में एकीकृत वन हेल्थ उपागम के महत्व पर चर्चा होगी।
- कथन III गलत है: यह निगरानी, निदान, जैव-सुरक्षा और अनुसंधान समेत व्यापक क्षेत्र को समेटता है।

पाठ्यक्रम मानचित्रण: प्रिलिम्स: विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी - वायरसविज्ञान, जैव-प्रौद्योगिकी; स्वास्थ्य मुख्य परीक्षा: GS-II - स्वास्थ्य; GS-III - विज्ञान और प्रौद्योगिकी, जैव-सुरक्षा